



FORM NO. III

AAP-A

Crim-I

# फर्द अहकाम

(नियम 26)

मु. उदयपुर

ज अदालत सुदामा चरण दास मुकाम दास

विराटनी माता बनाम बालू माता वगैरे

कसम मुकदमा दास नं. \_\_\_\_\_ सन् \_\_\_\_\_

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
------------	-----------------------------------	--

सुपाना-17 वादी एवं वादि के अधीनस्थ के अज्ञानता में उपस्थित होकर एक प्रार्थना-पत्र देकर कि यह क्रिमिने अंग्रेज विद्या वापस है कि उक्त प्रार्थना के मोर जोस फामोके हेतु निवेदन किया है। अतः वादी को मोर जोस प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जा रहा है। वादी को मोर जोस प्रार्थना-पत्र स्वीकार होने के फलस्वरूप वादी को वाद मोर जोस में अज्ञानता किता जा रहा है। उक्त प्रार्थना सुपाना हेतु न करवा सिवाय इसके बाद उक्त प्रार्थना प्रविष्ट होवे अज्ञानता

विराटनी माता  
 Note pages  
 20  
 24-11-17

*[Signature]*  
 जज